Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा

मार्च - 2016

अंक योजना - सामाजिक विज्ञान (बाहरी) कोड संख्या 32/1, 32/2, 32/3

सामान्य निर्देश :

1. अंक-योजना मूल्यांकन करने में व्यक्तिपरकता को कम करने हेतु समान्य दिशा निर्देश प्रदान करती है। अंक योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक और सांकेतक हैं। यदि परीक्षार्थी अंक योजना में दिए गए उत्तरों से भिन्न उत्तर लिखता हैं; किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे यथावत अंक दिए जाएं।
2. अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाय। मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार अथवा अन्य किसी सोच के आधार पर नहीं हो। अंक योजना का यथावत पालन किया जाय और उसका उपयोग नियमित किया जाए।
3. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हैं तो ऐसे प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के अंकों का योग बाईं ओर हाशिए पर लिखकर उसे गोलाकृति किया जाय।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
5. यदि किसी परीक्षार्थी ने किसी विकल्प प्रश्न का उत्तर लिख दिया है तो जिस प्रश्न में अधिक अंक मिले हैं; उसे रखा जाए और दूसरे को निरस्त किया जाय।
6. मूल्यांकन करते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए कि इस स्तर पर 'सामाजिक विज्ञान' विषय सामान्य शिक्षा का अंग है। इसलिए इसके चारों विषयोंः- इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, तथा अर्थशास्त्र के विशिष्ट अध्ययन की अपेक्षा नहीं है।
7. उन प्रश्नों को छोड़कर, जिनमें परीक्षार्थियों से ज्ञान-आधारित सूचनाओं की अपेक्षा है, अन्य प्रश्नों में परीक्षार्थियों के उत्तरों का मूल्यांकन करते समय उत्तर में परिलक्षित बोधात्मकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बिना कोई व्याख्या केवल सूचीबद्ध बिन्दुओं को परीक्षार्थियों के ज्ञान का उपयुक्त संकेत न माना जाए।
8. बहुसंख्यक बिन्दुओं की अपेक्षा कम बिन्दु होते हुए भी यदि उनका अच्छी तरह से स्पष्टीकरण दिया गया है तो ऐसे उत्तरों के पक्ष में आकलन किया जाय।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के साथ संदर्भ हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तकों की पृष्ठ संख्या दी गई है; ताकि आवश्यकतानुसार परीक्षक इन पृष्ठों का अध्ययन कर, उत्तरों का तथ्यपरक मूल्यांकन कर सकें।
10. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने - 0 से 90 का प्रयोग अपेक्षित है। यदि परीक्षार्थी ने सही उत्तर दिया है तो उसे पूरे अंक देने में तनिक भी संकोच न करें।

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

विशिष्ट निर्देश :

11. अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं। ये दिशानिर्देश मात्र हैं। अपने में पूरे उत्तर नहीं हैं। परीक्षार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति होती है। यदि अभिव्यक्ति सही है तो तद्नुसार अंक प्रदान करना चाहिए।

12. माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परिक्षार्थियों जो जॉच की गई उत्तर-पुस्तिकाओं की छाया प्रति निर्धारित शुल्क की अदाई के साथ प्रार्थना पत्र पर उपलब्ध कराने की अनुमति प्रदान की गई है। सभी परीक्षकों/मुख्य परीक्षाओं को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन अंकयोजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के बिन्दुओं के अनुसार ही हो।

13. सभी मुख्य परीक्षकों को निर्दिष्टित किया जाता है कि जब उत्तर पुस्तिकाओं की जॉच की जा रही है यदि उत्तर पूरी तरह गलत पाया जाता है तो गलत उत्तर के लिए (X) अंकित किया जाय और '0' अंक दिया जाय।

14. मूल्यांकन कार्य प्रारम्भ करने से पहले सभी परिक्षकों को स्थल मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से अपने आपको सुविज्ञ कर लेना चाहिए।

15. प्रत्येक परीक्षक को प्रतिदिन सामान्यतः 5-6 घण्टे परीक्षा केन्द्र पर रुक कर मूल्यांकन करना चाहिए। जिससे वह 20-25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर सकें। प्रत्येक उत्तर पुस्तिका के लिए कम से कम 15-20 मिनट लगानी चाहिए।

16. प्रत्येक परीक्षक को अंक योजनाओं के सभी सेटों से सुविज्ञ होना चाहिए।

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न पत्र संख्या 32/1		
प्र. सं.	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
1.	**"जब फ्रांस छींकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी जुकाम हो जाता है"-** मैटरनिख इ. 13	1
	अथवा	
	वियतनाम में रहने वाले फ्रांसीसी नागरिकों को 'कोलोन' कहा जाता था। इ. 34	1
2.	**ईंधन के रूप में उपलों के उपयोग को हतोत्साहित करना चाहिए। क्योंकि -**	
	(i) इससे प्रदूषण होता है।	
	(ii) इससे सर्वाधिक मूल्यवान खाद का उपभोग होता है, जिसे कृषि में प्रयोग किया जा सकता है।	
	(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित) भू. 61	1
3.	**दबाव समूहों और राजनीतिक दलों में अंतर :**	
	(i) दबाव-समूहों का लक्ष्य सत्ता पर प्रत्यक्ष नियंत्रण करने अथवा उसमें हिस्सेदारी करने का नहीं होता है, लेकिन राजनीतिक दल प्रत्यक्ष रूप से सत्ता को नियंत्रित करते हैं एवं उसमें हिस्सेदारी करते हैं।	
	(ii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।	
	(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित) लो.रा. 63	1
4.	**भारत ने बहुदलीय प्रणाली को अपनाया। क्योंकि :**	
	(i) भारत एक बड़ा देश है और इसमें सामाजिक और भौगोलिक विविधताएँ हैं।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(ii) बहुदलीय प्रणाली में अनेक विविधताओं को समेटना आसान होता है।	
	(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित) लो.रा. 77	1
5.	**दो वर्ग विशेषी हित समूहों के नाम -**	
	(i) मजदूर संगठन	
	(ii) व्यावसायिक संघ	
	(iii) पेशेवरों के निकाय- वकील, डॉक्टर, शिक्षक आदि।	
	(किन्हीं दो नामों का उल्लेख अपेक्षित) लो.रा. 64	½+½ = 1
6.	**बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने कार्यालय तथा कारखाने उन क्षेत्रों में स्थापित करती हैं जहाँ श्रम एवं अन्य संसाधन सस्ते मिलते हैं। क्योंकि -**	
	(i) उत्पादन लागत में कमी करने।	
	(ii) इससे वे अधिक लाभ कमा सकती हैं।	
	(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित) अर्थ. 56	1
7.	**यदि व्यापारी द्वारा उपभोक्ता को कोई क्षति पहुँचाई गई है उपभोक्ता नुकसान की भरपाई के लिए उपभोक्ता न्यायालय जा सकता है। अपने अधिकार के अंतर्गत -**	
	'क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार'। अर्थ. 82	1
8.	**ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्य प्रणाली पर नजर रखना अनिवार्य है। क्योंकि -**	
	बैंकों द्वारा आर.बी.आई. (रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया) को जानकारी देनी पड़ती है कि वे कितना और किनको ऋण दे रहे हैं और उसकी ब्याज दरें क्या हैं। अर्थ. 48	1

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
9.	**''1830 का दशक यूरोप में भारी आर्थिक कठनाइयाँ लेकर आया''-** (i) पूरे यूरोप में जनसंख्या में ज़बरदस्त वृद्धि हुई। (ii) नौकरी ढूँढ़ने वालों की संख्या उपलब्ध रोजगार से अधिक थी। (iii) ग्रामीण क्षेत्रों की अतिरिक्त आबादी शहर जाकर भीड़-भाड़ वाली गरीब बस्तियों में रहने लगी। (iv) नगरों में लघु उत्पादों को अकसर इंग्लैंड से आयातित मशीनों से बने सस्ते कपड़े से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था। इंग्लैंड में औद्योगीकरण का स्तर ऊँचा था। (v) कृषक सामंती शुल्कों और ज़िम्मेदारीयों के बोझ के तले दबे थे। (vi) खाने-पीने की चीजों के मूल्य में वृद्धि। (vii) फ़सल के खराब होने से शहर और गांवों में व्यापक ग़रीबी। (viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित) इ. 15	3 × 1 = 3
	अथवा **''हो ची मिन्ह भूलभुलैया मार्ग अमेरिका के विरुद्ध युद्ध में वियतनामियों के लिए लाभप्रद सिद्ध हुआ'' -** (i) इस मार्ग से पता चलता है कि वियतनाम के लोग अपने सीमित संसाधनों का भी कितनी सूझबूझ से इस्तेमाल करना जानते थे। (ii) फुटपाथों और सड़कों के इस विशाल नेटवर्क के जरिए देश के उत्तर से दक्षिण की ओर सैनिक व रसद भेजी जाती थी। (iii) पचास के दशक के आखिर में इस मार्ग को काफ़ी बेहतर बना दिया था और 1967 के बाद हर महीने लगभग 20,000 उत्तरी वियतनामी सैनिक इसी रास्ते से होते हुए दक्षिण वियतनाम पहुँचने लगे थे। इस मार्ग पर जगह-जगह छोटे-छोटे सैनिक अड्डे और अस्पताल बने हुए थे।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(iv) ज्यादातर सामान की आपूर्ति महिला कुलियों द्वारा अपनी पीठ या साइकिलों द्वारा की जाती थी। (v) अमेरिकी टुकड़ियों ने वियतनामी सैनिकों के लिए रसद की आपूर्ति को बंद करने के लिए इस मार्ग पर कई बार बम बरसाए। अमेरिकी इस मार्ग को इसलिए नहीं तोड़ पाए; क्योंकि वहाँ के लोग हर हमले के बाद फ़ौरन उसकी मरम्मत कर देते थे। (किन्हीं तीन तर्कों की व्याख्या अपेक्षित) इति. 47	3 × 1 = 3
10.	**'स्वदेशी आंदोलन' के दौरान झंडा तैयार किया गया था-** **'तिरंगा झंडा'** **झंडे की विशेषताएँ :** (i) तिरंगे झंडे का रंग- हरा, पीला और लाल (ii) इसमें ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते कमल के आठ फूल थे। (iii) इसमें हिंदुओं व मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता अर्धचंद्र था। (किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित) इति. 72	1 + 2 = 3
11.	**''असम में बागानी मजदूरों की महात्मा गाँधी के विचारों और स्वराज के बारे में अपनी अलग अवधारणा थी'' -** (i) असम के बागानी मजदूरों के लिए आजादी का मतलब यह था कि वे उन चारदीवारियों से जब चाहे आ-जा सकते हैं, जिनमें उनको बंद करके रखा गया था। (ii) उनके लिए आज़ादी का मतलब था कि वे अपने गाँवों से संपर्क रख पाएँगे। (iii) 1859 के इनलैंड इमिग्रेशन एक्ट के तहत बागानों में काम	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	करने वाले मजदूरों को बिना इजाज़त बागान से बाहर जाने की छूट नहीं होती थी।	
	(iv) जब उन्होंने असहयोग आंदोलन के विषय में सुना तो हजारों मजदूर अपने अधिकारियों की अवहेलना करने लगे। उन्होंने बागान छोड़ दिए और अपने घर को चल दिए।	
	(v) उनको लगता था कि अब गाँधी राज आ रहा है, इसलिए अब तो प्रत्येक को गाँव में ज़मीन मिल जाएगी।	
	(किन्हीं तीन तर्कों की व्याख्या अपेक्षित) इति. 60	3 × 1 = 3
12.	**कच्चे माल के स्रोत के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण :**	
	(अ) कृषि आधारित उद्योग	
	(ब) खनिज आधारित उद्योग (½+½ = 1)	
	ये उद्योग निम्नलिखित आधार पर एक दूसरे से भिन्न हैं-	
	(अ) कृषि आधारित उद्योग-	
	(i) अपना कच्चा माल कृषि उत्पादों से प्राप्त करते हैं।	
	(ii) उदाहरणः वस्त्र- सूती, जूट, सिल्क और ऊनी। रबर, चीनी, कॉफी, चाय वनस्पति तेल उद्योग आदि।	
	(iii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।	
	(ब) खनिज आधारित उद्योग-	
	(i) अपना कच्चा माल खनिजों से प्राप्त करते हैं।	
	(ii) उदाहरण- लोहा तथा इस्पात, सीमेंट, मशीन, औज़ार, पैट्रोरासायन उद्योग आदि।	
	(iii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।	
	(किन्हीं दो अंतरों का उल्लेख अपेक्षित) (2) इति. 71	1 + 2 = 3

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
13.	पूरे देश में ऊर्जा के सभी प्रकारों का उपभोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ऊर्जा के विकास और बचत के लिए सतत् पोषणीय मार्ग के विकसित करने की तुरंत आवश्यकता हैं। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के प्रत्येक सेक्टर- कृषि, उद्योग, परिवहन, वाणिज्य व घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऊर्जा निवेश की आवश्यकता है। बढ़ती जनसंख्या और बदलती जीवनचर्या के साथ ऊर्जा की खपत तेजी के साथ बढ़ रही है। ऊर्जा की माँग को पूरा करने के लिए हम स्वयं पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए सीमित संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग आवश्यक है। इस ज्वलंत समस्या के समाधान के उपाय - (i) हम यातायात के लिए निजी वाहनों की अपेक्षा सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करके। (ii) जब प्रयोग न हो रही हो तो बिजली बंद करके। (iii) विद्युत बचत करने वाले उपकरणों के प्रयोग से तथा गैर पारंपरिक ऊर्जा के साधनों के प्रयोग से। (iv) विद्युत के उपकरणों की निरंतर जाँच, ऊर्जा की बचत में सहायता कर सकती है। (v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन उपायों की व्याख्या अपेक्षित) इति. 67	$3 \times 1 = 3$
14.	**भारत में औद्योगिक विकास के कारण उत्पन्न पर्यावरणीय निम्नीकरण को कम करने के उपाय :** (i) विभिन्न प्रक्रियाओं में जल का न्यूनतम उपयोग तथा जल का दो या अधिक उत्तरोत्तर अवस्थाओं में पुनर्चक्रण द्वारा पुनः उपयोग। (ii) जल की आवश्यकता पूर्ति हेतु वर्षा जल संग्रहण।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(iii) नदियों व तालाबों में गर्म जल तथा अपशिष्ट पदार्थों को प्रवाहित करने से पहले उनका शोधन करना। (iv) वायु में निलंबित प्रदूषण को कम करने के लिए कारखानों में ऊँची चिमनियाँ, चिमनियों में एलेक्ट्रोस्टैटिक अवक्षेपण, स्क्रबर उपकरण तथा गैसीय प्रदूषक पदार्थों को जडत्वीय रूप से पृथक करने के लिए उपकरण होना चाहिए। (v) कारखानों में कोयले की अपेक्षा तेल व गैस के प्रयोग से धुएँ के निष्कासन में कमी लायी जा सकती हैं (vi) मशीनों व उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है तथा जेनरेटरों में साइलेंसर लगाया जा सकता है। (vii) ऐसी मशीनरी का प्रयोग किया जाए जो ऊर्जा सक्षम हो तथा कम ध्वनि प्रदूषण करे। (viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन उपायों का सुझाव अपेक्षित) भू. 83	$3 \times 1 = 3$
15.	**'क्षेत्रीय राजनीतिक दल वे हैं जिनका अस्तित्व केवल कुछ राज्यों में हैं।** (1) **'क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी की मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक शर्तें:-** (i) राज्य विधान सभा के चुनाव में पड़े कुल मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करने वाला दल। (ii) कम से कम विधान सभा की दो सीटों पर जीत दर्ज करना। (परिभाषा + दो शर्तों का उल्लेख अपेक्षित) (2) लो.रा. 79	$1 + 2 = 3$
16.	**जनहित दबाव समूह उन्हें कहते हैं जो किसी खास हित के बजाय सामूहिक हित का प्रतिनिधित्व करते हैं।** (1) **उनकी कार्य प्रणाली निम्नलिखित है -**	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(i) इनका लक्ष्य अपने सदस्यों की ही नहीं, बल्कि किन्हीं औरों की सहायता करना होता है।	
	(ii) ये संगठन सर्व-सामान्य की नुमाइंदगी करते हैं, जिनकी रक्षा जरूरी होती है।	
	(iii) संभव है ऐसा संगठन जिस उद्देश्य को पाना चाहता हो उससे इसके सदस्यों को कोई लाभ न हो। उदाहरण के लिए हम बँधुआ मजदूरी के खिलाफ लड़ने वाले समूहों का नाम ले सकते हैं। ऐसे समूह अपनी भलाई के लिए नहीं बल्कि बँधुआ मजदूरी के बोझ तले पिस रहे लोगों के लिए लड़ते हैं।	
	(iv) उदाहरण के लिए 'बामसेफ'	
	(v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।	
	(परिभाषा + किन्हीं दो कार्य प्रणालियों का वर्णन अपेक्षित) लो.रा. 64	1 + 2 = 3
17.	**भारत में राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौतियाँ :**	
	(i) पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का न होना।	
	(ii) वंशवाद की चुनौती।	
	(iii) पैसा और अपराधी तत्वों की बढ़ती घुसपैठ।	
	(iv) पार्टियों के बीच विकल्पहीनता की स्थिति।	
	(किन्ही तीन चुनौतियों की व्याख्या अपेक्षित) लो.रा. 83, 84	3 × 1 = 3
18.	**''बैंकों में जमा की गई धनराशियाँ जमाकर्ता के साथ-साथ राष्ट्र के लिए हितकार हैं''-**	
	जमाकर्ता के लिए हितकार	
	(i) बैंक जमा स्वीकार करते हैं और जमाकर्ता को इस पर सूद भी देते हैं।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(ii) लोगों का धन बैंकों के पास सुरक्षित रहता है। (iii) लोगों को अपनी आवश्यकता के अनुसार इसमें से धन निकालने की सुविधा भी उपलब्ध होती है। **राष्ट्र के लिए हितकार** (i) बैंक, जमा राशि के एक बड़े भाग को ऋण देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। (ii) विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण की बहुत माँग रहती है। (iii) बैंक, जिनके पास अतिरिक्त राशि है एवं जिन्हें राशि की जरूरत है के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं। इसलिए यह राष्ट्र के विकास में सहायक है। (iv) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या, प्रत्येक वर्ग से कम से कम एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित) अर्थ. 40, 42	3 × 1 = 3
19.	**स्वतंत्रता के बाद भारतीय सरकार ने विदेश व्यपार और विदेश निवेश पर प्रतिबंध लगा दिए थे। क्योंकि :** (i) देश के उत्पादकों को विदेशी प्रतिसपर्धा से संरक्षण प्रदान करने के लिए यह अनिवार्य माना गया। (ii) 1950 और 1960 के दशकों में उद्योगों का उदय हो रहा था और इस अवस्था में आयात से प्रतिस्पर्धा इन उद्योगों को बढ़ने नहीं देती। (iii) भारत ने केवल अनिवार्य चीजों जैसे मशीनरी, उर्वरक और पेट्रोलियम के आयात की ही अनुमति दी। (iv) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं तीन कारणों का विश्लेषण अपेक्षित) अर्थ. 64	3 × 1 = 3

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
20.	**बाजार में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए नियमों और विनियमों की आवपश्यकता होती है :**	
	(i) अकेला उपभोक्ता प्रायः स्वयं को कमजोर स्थिति में पाता है। खरीदी वस्तु या सेवा के विषय में जब कोई भी शिकायत होती है तो विक्रेता सारा दायित्व क्रेता पर डालने का प्रयास करता है।	
	(ii) बाजार में शोषण कई रूपों में होता है। उदाहरणार्थ कभी-कभी व्यापारी अनुचित व्यापार करने लग जाते हैं जैसे दुकानदार उचित वजन से कम वजन तौलते हैं या व्यापरी उन शुल्कों को जोड़ देते हैं जिनका वर्णन पहले न किया गया हो या मिलावटी/ दोषपूर्ण वस्तुएँ बेची जाती हैं।	
	(iii) उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए वे समय-समय पर मीडिया और अन्य स्रोतों से गलत सूचना देते हैं।	
	(iv) कोई उपयुक्त उदाहरण	
	(v) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।	
	(किन्हीं तीन तर्कों का उल्लेख अपेक्षित) अर्थ. 76	$3 \times 1 = 3$
21.	**फ्रांस में नेपोलियन ने प्रजातंत्र को नष्ट किया था। परन्तु प्रशासनिक क्षेत्र में उसने क्रांतिकारी सिद्धान्तों का समावेश किया, जिससे पूरी व्यवस्था अधिक तर्कसंगत और कुशल बन सके :-**	
	(i) जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए थे।	
	(ii) कानून के समक्ष बराबरी।	
	(iii) संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया गया।	
	(iv) प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया।	
	(v) सामंती व्यवस्था को समाप्त किया और किसानों को भू-दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(vi) श्रेणी संघों के नियंत्रणों को हटा दिया गया। (vii) यातायात और संचार व्यवस्थाओं को सुधारा गया। (viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पाँच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।) इति. 6	5 × 1 = 5
	अथवा **"जिनेवा में चली शांति वार्ताओं ने वियतनाम का विभाजन किया जिसके परिणामस्वरूप घटी घटनाओं की शृंखला में वियतनाम को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया":-** (i) फ्रांसीसियों की पराजय के बाद जिनेवा में चली शांति वार्ताओं में वियतनामियों को देश विभाजन का प्रस्ताव मानने के लिए बाध्य कर दिया गया। उत्तरी व दक्षिणी वियतनाम। (ii) इस बँटवारे से पूरा वियतनाम युद्ध के मोर्चे में तब्दील होकर रह गया। देश के अपने ही लोगों और पर्यावरण की तबाही होने लगी। (iii) कुछ समय बाद न्गो दिन्ह दिएम के नेतृत्व में हुए तख्ता पलट में बाओ डाई को गद्‌दी से हटा दिया गया। दिएम की अगुवाई में एक और दमनकारी व निरंकुश शासन की स्थापना हुई। (iv) उसका विरोध करने वालों को कम्युनिस्ट कहकर जेल में डाल दिया जाता था या मार दिया जाता था। (v) उत्तरी वियतनाम में हो ची मिन्ह के नेतृत्व वाली सरकार की सहायता से एन.एल.एफ. ने देश के एकीकरण के लिए आवाज उठाई। अमेरिका इस गठबंधन की बढ़ती ताकत और उसके प्रस्तावों से भयभीत था। कहीं पूरे वियतनाम पर कम्युनिस्टों का कब्जा न हो जाए, इस भय से अमेरिका ने अपनी फौजें और	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	गोला-बारूद वियतनाम में तैनात करना शुरू कर दिया। अमेरिका इस खतरे से शक्ति से निपटना चाहता था।	
	(किन्ही पाँच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।) अर्थ. 43,44	5 × 1 = 5
22.	**महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने का निर्णय किया। क्योंकि -**	
	(i) सविनय अवज्ञा आंदोलन से चिंतित औपनिवेशिक सरकार कांग्रेसी नेताओं को गिरफ़्तार करने लगी।	
	(ii) बहुत सारे स्थानों पर हिंसक टकराव हुए।	
	(iii) (अप्रैल 1930 में) जब महात्मा गांधी के समर्पित साथी अब्दुल गफ़्तार ख़ान को गिरफ्तार किया गया तो पेशावर में गुस्साई भीड़, सशस्त्र बख़्तरबंद गाड़ियों और पुलिस की गोलियों का सामना करते हुए सड़कों पर उतर आई। बहुत सारे लोग मारे गए।	
	(iv) महीने भर बाद जब महात्मा गांधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया तो शोलापुर के औद्योगिक मजदूरों ने अंग्रेजी शासन का प्रतीक पुलिस चौकियों, नगरपालिका भवनों, अदालतों और रेलवे स्टेशनों पर हमले शुरू कर दिए।	
	(v) भयभीत सरकार ने निर्मम दमन का रास्ता अपनाया।	
	(vi) शांतिपूर्ण सत्याग्रहियों पर हमले किए गए। औरतों और बच्चों को मारा पीटा गया और लगभग एक लाख लोग गिरफ्तार किए गए।	
	इन्हीं परिस्थितियों के कारण महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापिस लेने का फैसला किया।	
	(किन्हीं पाँच बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित।) अर्थ. 64	5 × 1 = 5

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
23.	**खनिजों के संरक्षण का महत्व है -**	
	(i) खनिज संसाधनों का तीव्र गति से उपभोग हो रहा है। जिन खनिजों के निर्माण और सांद्रण में लाखों वर्ष लगते हैं।	
	(ii) खनिज संसाधन सीमित तथा अनवीकरणीय हैं।	
	(iii) अयस्कों के सतत् उत्खनन से लागत बढ़ती है, क्योंकि खनिजों के उत्खनन की गहराई बढ़ने के साथ उनकी गुणवत्ता घटती जाती हैं।	
	खनिजों के संरक्षण के उपाय -	
	(i) इनका उपयोग योजना बद्ध एवं सतत् पोषणीय तरीके से किया जाना चाहिए।	
	(ii) उन्नत प्रौद्योगिकियों का सतत विकास करते रहना चाहिए ताकि निम्न गुणवत्ता वाले अयस्कों का कम लागत पर उपयोग किया जा सके।	
	(iii) धातुओं का पुनः चक्रण।	
	(iv) रद्दी धातुओं का प्रयोग।	
	(v) प्रतिस्थापनों का उपयोग।	
	(vi) कोई अन्य संबद्ध बिंदु।	
	(दो बिंदु महत्व के + तीन संरक्षण के तरीके देना अपेक्षित।) भू. 61	2 + 3 = 5
24.	**'भारत में सड़क परिवहन अभी भी रेल परिवहन की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हैं -**	
	(i) रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़क निर्माण की लागत बहुत कम है।	
	(ii) अपेक्षाकृत उबड़ खाबड व विच्छिन्न भू-भागों पर सड़कें बनाई जा सकती हैं।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(iii) अधिक ढ़ाल प्रवणता तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़कें निर्मित की जा सकती हैं। (iv) अपेक्षाकृत कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में सड़कें मितव्ययी हैं। (v) सड़क परिवहन घर-घर सेवाएँ उपलब्ध करवाता है। (vi) सामान उतारने व चढ़ाने की लागत अपेक्षाकृत कम है। (vii) सड़क परिवहन अन्य परिवहन साधनों के उपयोग में एक कड़ी के रूप में कार्य करता है। जैसे सड़कें, रेलवे स्टेशन, वायु व समुद्री पत्तनों को जोड़ती हैं। (viii) कोई अन्य संबद्ध बिंदु। (किन्हीं पाँच तर्कों का उल्लेख अपेक्षित।) भू. 88	5 × 1 = 5
25.	**बोलिविया का लोगप्रिर्य संघर्ष :** विश्व बैंक ने यहाँ की सरकार पर नगरपालिका द्वारा की जा रही जलपूर्ति से अपना नियंत्रण छोड़ने के लिए दबाव डाला। सरकार ने कोचबंबा शहर में जलापूर्ति के अधिकार एक बहु राष्ट्रीय कंपनी को बेच दिए। इस कंपनी ने आनन-फानन में पानी की कीमत में चार गुना इज़ाफा कर दिया। अनेक लोगों का पानी का मासिक बिल एक हजार रुपये तक जा पहुँचा, जबकि बोलिविया में लोगों की औसत आय पाँच हजार रुपया महीना है। इसके फलस्वरूप स्वतःस्फूर्त जनसंघर्ष भड़क उठा। सन् 2000 की जनवरी में श्रमिकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं तथा सामुदायिक नेताओं के बीच एक गठबंधन ने आकार ग्रहण किया और उस गठबंधन ने शहर में चार दिनों की आम हड़ताल की। सरकार बातचीत के लिए राजी हुई और हड़ताल वापस ले ली गई। फिर भी कुछ हाथ नहीं लगा। फरवरी में फिर आंदोलन शुरू हुआ, लेकिन इस बार पुलिस ने बर्बरतापूर्वक दमन किया। अप्रैल में एक और हड़ताल हुई	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	और सरकार ने मार्शल लॉ लगा दिया। लेकिन जनता की ताकत के आगे बहुराष्ट्रीय कंपनी के अधिकारियों को शहर छोड़कर भागना पड़ा। सरकार को आंदोलनकारियों की सारी माँगे माननी पड़ी। बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ किया गया करार रद्द कर दिया गया और जलापूर्ति फिर से नगरपालिका को सौंपकर पुरानी दरें कायम कर दी गईं। इस आंदोलन को बोलिविया के 'जलयुद्ध' के नाम से जाना गया। (मूल्यांकन समग्रता में) भू. 60	5
26.	**"लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दलों का होना आवश्यक शर्त है": -** (i) राजनीतिक दलों के बिना लोकतंत्र नहीं चल सकता। (ii) अगर दल न हों तो सारे उम्मीद्वार स्वतंत्र या निर्दलीय होगें। (iii) उनमें से कोई भी बड़े नीतिगत बदलाव के विषय में चुनावी वायदे करने की स्थिति में नहीं होगा। (iv) सरकार बन जाएगी पर उसकी उपयोगिता संदिग्ध होगी। (v) निर्वाचित प्रतिनिधि सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कामों के लिए जवाबदेह होंगे। (vi) देश कैसे चले इसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होगा। (vii) लोकतंत्र में विपक्षी दलों की भूमिका राजनीतिक दलों के अस्तित्व की आवश्यकता है। (viii) जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग विचारों को समेटने और सरकार की नज़र में लाने के लिए किसी माध्यम की जरूरत होती है। इसीलिए राजनीतिक दल आवश्यक हैं। (किन्हीं पाँच तर्कों की व्याख्या अपेक्षित।) लो.रा. 74, 75	5 × 1 = 5

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
27.	**औपचारिक क्षेत्रक के ऋणों को निम्न प्रकार से गरीब किसानों और मजदूरों के लिए लाभकारी बनाया जा सकता है -** (i) औपचारिक क्षेत्रक के ऋणों के लिए किसानों में जागरूकता पैदा करना। (ii) ऋण देने की प्रक्रिया को आसान बनाना। (iii) यह सामान्य, तीव्र और समयबद्ध हो। (iv) ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक राष्ट्रीयकृत और सहकारी बैंकों की स्थापना। (v) बैंकों और सहकारी संस्थाओं को ऋण उपलब्ध कराने की सुविधाओं को बढ़ना चाहिए ताकि अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता कम हो। (vi) ऋण सुविधा का लाभ गरीब किसानों तथा कुटीर उद्योगों तक विस्तार करना। (vii) औपचारिक स्रोत के ऋणों का विस्तार होना चाहिए। दूसरी ओर यह भी जरूरी है कि सभी लोगों को यह ऋण प्राप्त हो सके। (viii) कोई अन्य संबद्ध बिन्दु। (किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।) अर्थ. 49, 50	5 × 1 = 5
28.	**भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव :** (i) शहरी क्षेत्रों उच्चतर जीवन स्तर। (ii) उत्पादकों और श्रमिकों पर इसके प्रभाव समान नहीं। (iii) उपभोक्ताओं के समक्ष पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अब अनेक उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और कम कीमत से लाभान्वित हो रहे हैं। (iv) बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपने निवेश में वृद्धि की है। फलतः अधिक रोजगार एवं अवसरों में वृद्धि।	

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्र. सं. 32/1	अपेक्षित उत्तर और मूल्य बिंदु	अंक
	(v) वैश्वीकरण ने भारत की कुछ बड़ी कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनी बनने में योगदान दिया है। जैसे टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी, एशियन पेंटस आदि।	
	(vi) वैश्वीकरण ने सेवा प्रदाता कंपनियों विशेषकर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी वाली कंपनियों के लिए नए अवसरों का सृजन किया है।	
	उदाहरणार्थ भारतीय कंपनी द्वारा लंदन स्थित कंपनी के लिए पत्रिका का प्रकाशन और कॉल सेंटर।	
	(vii) विदेशी कंपनियों को कच्चा माल आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियाँ समृद्ध हुई हैं।	
	वैश्वीकरण ने उत्पादक और कामगारों के लिए अनेक चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं।	
	(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।) अर्थ. 66	5 × 1 = 5
29.	**संलग्न मानचित्र को देखिए।**	
	दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए -	
	(29.1) अहमदाबाद	
	(29.2) चौरी चौरा	
	(29.3) नागपुर	3 × 1 = 3
30.	**संलग्न मानचित्र को देखिए।**	
	दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए -	
	(30.1) असम	
	(30.2) छत्तीसगढ़	
	(30.3) तूतीकोरिन	3 × 1 = 3

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं. 29 के लिए 32/1, 32/2, 32/3 For question no. 29

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

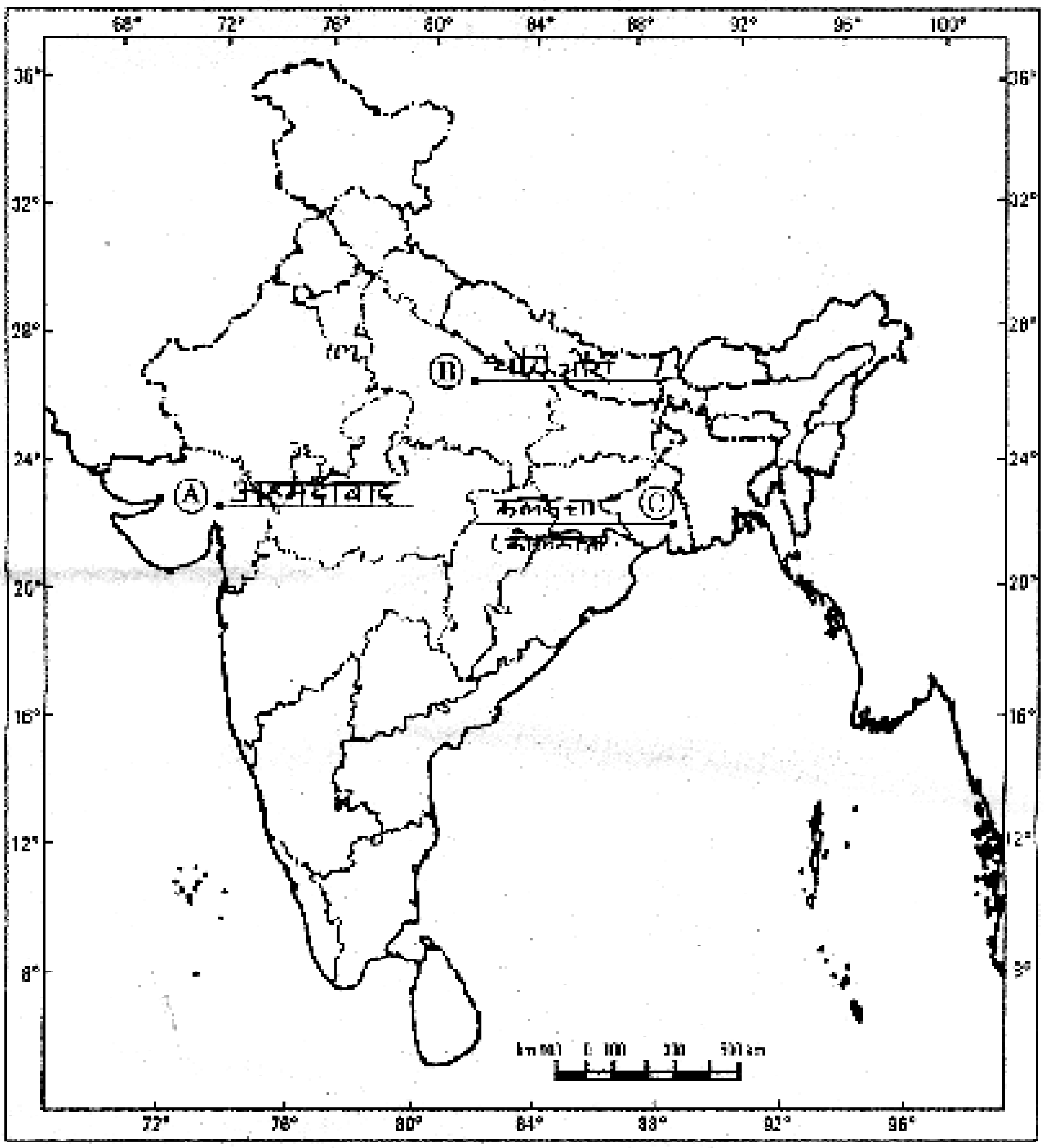

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं. 30 के लिए

32/1, 32/2, 32/3.

For question no. 30

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

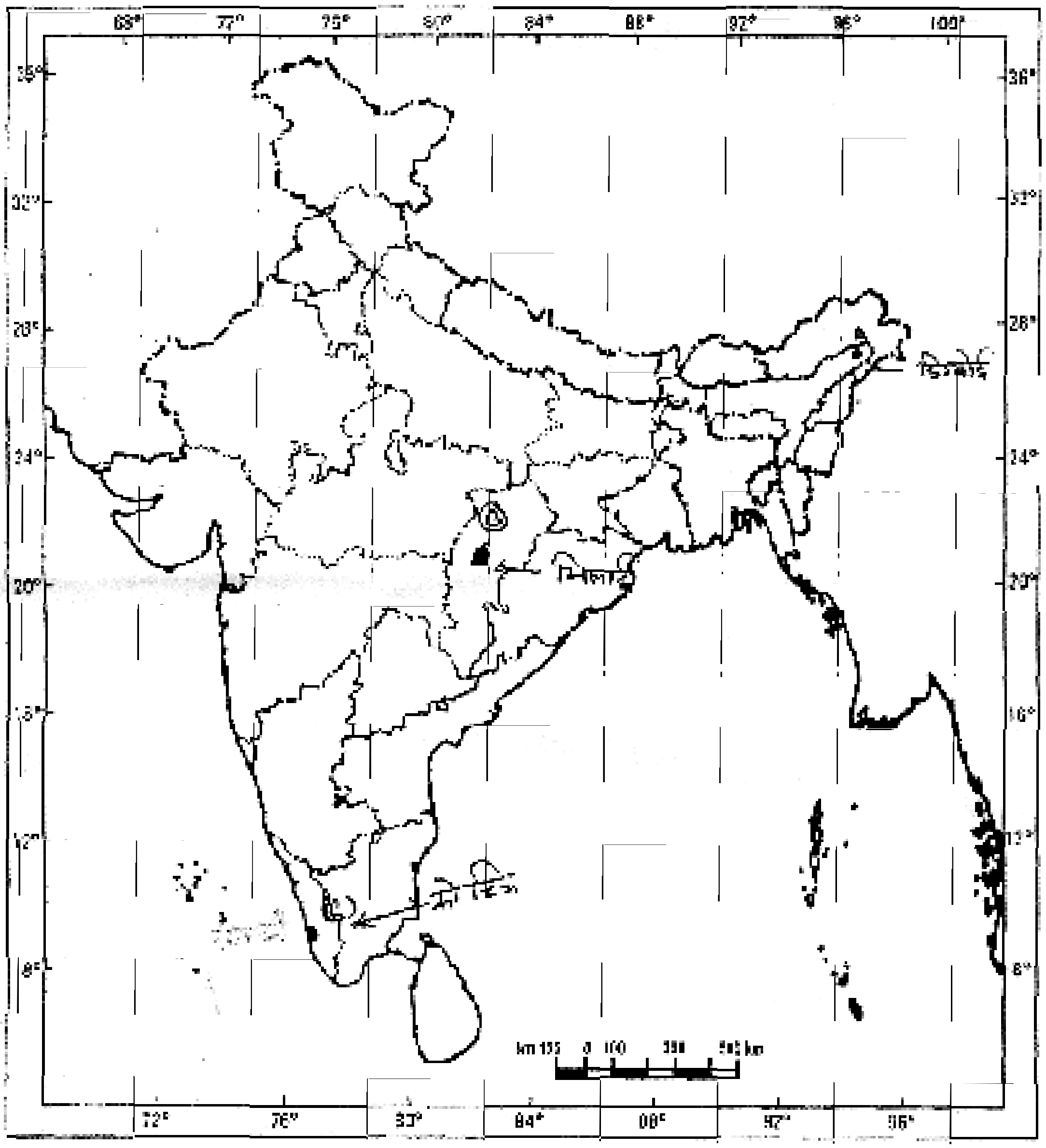

Downloaded-From:http://www.cbseportal.com